मूल हिंदी में

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2303
03.08.2026 को उत्तर के लिए

सुरहा ताल पक्षी अभयारण्य

2303. श्री बाबू सिंह कुशवाहा :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उत्तर प्रदेश के बलिया में स्थित सुरहा ताल पक्षी अभयारण्य को आर्द्रभूमि के रूप में अधिसूचित/नामित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान सरकार द्वारा उक्त अभयारण्य के संरक्षण, विकास और प्रबंधन के लिए आवंटित निधि और उसमें से वास्तव में उपयोग की गई राशि का मद-वार ब्यौरा क्या है
(ग) उक्त अवधि के दौरान संरक्षण, आवास सुधार, जैव-विविधता संवर्धन, आर्द्रभूमि प्रबंधन, जल प्रबंधन, प्रवासी पक्षियों की सुरक्षा और अन्य संबंधित कार्यकलापों पर कितना व्यय हुआ है;
(घ) क्या सरकार ने सुरहा ताल पक्षी अभयारण्य के संरक्षण, जैव-विविधता संवर्धन, आर्द्रभूमि संरक्षण एवं प्रबंधन तथा पारिस्थितिक पर्यटन के संवर्धन के लिए कोई विशेष योजना, परियोजना या केंद्रीय सहायता कार्यक्रम आरंभ किया है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (ङ): जय प्रकाश नारायण पक्षी विहार (सुरहा ताल पक्षी विहार) को इसके पारिस्थितिकीय महत्व के कारण रामसर कन्वेन्शन के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महत्व की आर्द्रभूमि (रामसर स्थल) के रूप में नामित किया गया है। यह देश का 100वाँ रामसर स्थल है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वर्तमान में देश की आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण योजना नामक केंद्र प्रायोजित योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जो केंद्र सरकार एवं संबंधित राज्य सरकारों के बीच लागत साझेदारी के आधार पर कार्यान्वित की जाती है। इस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सहित राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त एकीकृत प्रबंधन योजनाओं तथा रूपरेखा प्रबंधन योजनाओं के लिए आर्द्रभूमियों का संरक्षण एवं प्रभावी प्रबंधन करने के लिए जैव विविधता एवं पारिस्थितिकी तंत्र सुधार के

अलावा वांछित जल गुणवत्ता प्राप्त करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य समेकित एवं बहु-आयामी दृष्टिकोण अपनाकर आर्द्रभूमियों का समग्र संरक्षण एवं पुनरुद्धार करना है, उत्तर प्रदेश राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण आर्द्रभूमियों के एकीकृत प्रबंधन हेतु सर्वोच्च निकाय के रूप में कार्य करता है तथा राष्ट्रीय जलीय पारिस्थितिकी तंत्र संरक्षण योजना के अंतर्गत मंत्रालय के विचारार्थ प्रस्ताव प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय "वन्यजीव पर्यावास का विकास" नामक केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को संरक्षित क्षेत्रों के संरक्षण एवं प्रबंधन, संरक्षित क्षेत्रों के बाहर वन्यजीव संरक्षण तथा अति संकटग्रस्त प्रजातियों एवं उनके पर्यावासों के पुनरुद्धार के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त वार्षिक कार्य-योजना के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है। राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों को प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में वन्यजीव संरक्षण एवं प्रबंधन से संबंधित गतिविधियाँ, जैसे—गश्त, पर्यावास प्रबंधन, जन-जागरूकता कार्यक्रम, अग्नि सुरक्षा पट्टियों का रखरखाव, संरक्षण प्रहरी की नियुक्ति, पारिस्थितिकी विकास तथा पारिस्थितिकी पर्यटन से संबंधित गतिविधियों को सहयोग करना शामिल है। उत्तर प्रदेश स्थित जय प्रकाश नारायण (सुरहा ताल) पक्षी विहार को वन्यजीव पर्यावास का विकास नामक केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान जारी एवं उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देशभर की आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनमें रामसर कन्वेन्शन का कार्यान्वयन, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत अधिसूचित आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 का कार्यान्वयन, आर्द्रभूमियों हेतु समर्पित वेब पोर्टल (https://indianwetlands.in), जनसहभागिता एवं हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए "मिशन सहभागिता" तथा आर्द्रभूमि बचाओ अभियान का संचालन तथा रामसर स्थलों के विशिष्ट संरक्षण मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए अमृत धरोहर पहल का संचालन करना शामिल है। अमृत धरोहर पहल के चार प्रमुख घटक हैं—प्रजातियों एवं पर्यावासों का संरक्षण, प्रकृति पर्यटन, आर्द्रभूमि आधारित आजीविकाएँ और आर्द्रभूमियों में कार्बन का आकलन। इस पहल के अपेक्षित परिणामों में जैव विविधता का संरक्षण एवं संवर्धन करना, कार्बन अवशोषण तथा सहायक लाभ के रूप में भूजल रीचार्ज का संरक्षण एवं संवर्धन करना शामिल है।

****

अनुलग्नक

'सुरहा तालपक्षी विहार' के संबंध में दिनांक 03.08.2026 को उत्तर के लिए पूछे गए अतारांकित प्रश्न संख्या 2303 के भाग (क) से(ङ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

उत्तर प्रदेश स्थित जय प्रकाश नारायण (सुरहा ताल) पक्षी विहार को "वन्यजीव आवास विकास" केंद्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत पिछले तीन वित्तीय वर्षों के दौरान जारी की गई धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:

(लाख रुपए में)

2023-24		2024-25		2025-26	
जारी की गई	उपयोग की गई	जारी की गई	उपयोग की गई	जारी की गई	उपयोग की गई
8.2125	8.2125	7.716	7.716	6.7785	5.61857

*****